गोविन्द श्रित

रागम्: धर्मवति ताळम्: आदि

श्री अन्नमाचार्य विरचिता

पल्लवि

गोविन्द श्रित गोकुल बृन्द
पावन जय जय परमानन्द

चरणम्

जगदभिराम सहस्रनाम

सुगुणधाम संस्तितनाम

गगनश्याम घनरिपुभीम
अगणितरघुवंशाम्बुधिसोम ॥ १ ॥

गरुडतुरङ्ग पारोत्तुङ्ग

शरविभङ्ग फणिशयनाङ्ग

करुणापाङ्ग कमलासङ्ग
वरश्री वेङ्कटगिरि साधिरङ्ग ॥ २ ॥

◇ ◇ ◇ ◇ ◇ ◇ ◇ ◇ ◇ ◇